जवाहर विस्तार दर्पण

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

जनवरी – जून 2021 वर्ष– 05 अंक – 16

इस अंक में

- अवार्ड/सम्मान
- कृषि विज्ञान केन्द्रो के सराहनीय कार्य
- विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

संरक्षक
प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन
कुलपति
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

मार्गदर्शक
डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा
संचालक विस्तार सेवाएं
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

प्रधान संपादक
डॉ. अर्चना पाण्डे

संपादक मंडल
डॉ. टी.आर. शर्मा
डॉ. संजय वैशंपायन
डॉ. वाय.एम. शर्मा
डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता

निदेशक की कलम से

आज हमारे सामने जलवायु परिवर्तन से जुड़ी कई चुनौतियां हैं जिसमें प्रमुख हैं बाढ़ और सूखा । देश में वर्षा ऋतु का जल अगर संरक्षित करने की व्यवस्था है तो दोनों प्रकार की समस्याओं से कुछ हद तक निजात पा सकते हैं वर्तमान में वर्षा जल की अधिकतम मात्रा नदियों में बह जाती है तथा वर्षा जल के भंडारण की क्षमता सीमित है इसलिये आवश्यक है कि वर्षा जल के संचय की उचित व्यवस्था की जाये । पानी की कमी वाले क्षेत्रों में आवश्यक है कि ऐसी फसल एवं उनकी प्रजातियों का विस्तार किया जाये जिनकी पैदावार पानी की कमी या सूखे से प्रभावित न हो, कम पानी की स्थिति में टपक सिंचाई तथा फब्वारा सिंचाई विधि का उपयोग, बंजर भूमि एवं सड़क के किनारे वृक्षारोपण कर वर्षा जल का संचय एवं भूमिगत पानी का संरक्षण कर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को कम किया जा सकता है । इस दिशा में कृषि विज्ञान केन्द्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है, कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक, कृषकों, युवाओं हेतु पर्यावरण जागरूकता अभियान द्वारा प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं।

शुभकामनाओं सहित

डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा
संचालक विस्तार सेवायें

सम्मान/अवार्ड

कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों को मिला पुरूस्कार

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा के पौध संरक्षण वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश कुमार को उत्कृष्ट कार्य के लिए रिकाग्निशन अवार्ड एवं सस्य वैज्ञानिक डॉ. स्मिता सिंह को एप्रीसिएशन अवार्ड 2021 पर्यावरण सामाजिक कल्याण संस्था खजुराहो मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय कान्फ्रेन्स 30–31 जनवरी 2021 में नामित किया गया। केन्द्र में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा आयोजित कृषक प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश के उद्यानिकी खाद्य प्रसंस्करण तथा नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भरत सिंह कुशवाह एवं श्री के. पी. त्रिपाठी विधायक सेमरिया द्वारा वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश कुमार एवं डॉ. स्मिता सिंह को पुरूस्कृत किया गया इस अवसर पर उपस्थित श्री लल्लू प्रसार कुशवाहा, जिला कृषि स्थायी समिति रीवा, संयुक्त संचालक, उद्यानिकी रीवा, सहायक संचालक उद्यानिकी, अधिश्ठाता प्रो. एस. के. पाण्डेय, डॉ. ए. के. पाण्डेय प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा उपस्थित थे ।

डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवायें की सेवानिवृत्ति

डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवायें दिनांक 31 मार्च, 2021 को 44 वर्ष की सेवाओं के पश्चात् सेवानिवृत्ति के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन के मुख्य आतिथ्य में बिदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें माननीय कुलपति जी द्वारा शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिंह से सम्मानित किया एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर विस्तार संचालनालय, संचार केन्द्र एवं कृषि प्रौधोगिकी सूचना केन्द्र के समस्त वैज्ञानिक, कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा की संचालक विस्तार सेवाओं के पद पर नियुक्ति

नव नियुक्त संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा ने पदभार ग्रहण किया, हार्दिक बधाई

विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ

- जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर प्रजनक बीज उत्पादन में विगत 20 वर्षो से देश में प्रथम स्थान प्राप्त है। इसमें कृषि विज्ञान केन्द्र का योगदान सराहनीय है।
- केन्दों के प्रत्येक कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से कोविड प्रोटोकाल संबंधित दिशा निर्देशों का पुनः स्मरण कराया जाता रहा। कोविड–19 की जानकारी व बचाव से संबंधित भारत सरकार द्वारा अनुसंशित एप्प 'आरोग्य सेतु' एप 68950 किसानों द्वारा डाउनलोड किया गया साथ ही समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों के सभी वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों के मोबाईल में आरोग्य सेतु डाऊनलोड कराया गया एवं 26 वाट्सअप समूह के माध्यम से लिंक भेजकर अपने मोबाईल में रजिस्ट्रेशन करने हेतु प्रेरित किया गया।
- ''कृषक रथ'' 18 अप्रैल 2021 से शुरु हुआ कृषकों के उत्पादों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने व ले जाने की सुविधा हेतु निर्मित एप ''कृषक रथ'' अन्य महत्वपूर्ण जानकारी जिसमें फसल उत्पादन, मौसम, मण्डी एवं बाजार भाव की जानकारी हेतु ''किसान सुविधा'' एप इत्यादि का कृषकों के स्वयं के मोबाईल पर संधारण करने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे कुल 9708 कृषकों ने स्वयं के मोबाईल पर एप का संधारण किया।
- आकाशवाणी से रेडियोवार्ता का प्रसारण :– कृषि विज्ञान केन्द्रों के 31 वैज्ञानिकों द्वारा आकाशवाणी के माध्यम से कृषकों को कोरोना संक्रमण काल में संबंधित विषयों पर समसमायिक सलाह दी गई ।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा लॉकडाउन के दौरान 208 ऑनलाईन कृषक प्रशिक्षण गूगल मीट, सिस्को वेवेक्स, जूम एप के माध्यम आयोजित किया गया, जिसमें 21 जिलों के 10 हजार 876 कृषक लाभांवित हुए।

समीक्षा बैठकों का आयोजन :–

- लॉकडाउन के दौरान संचालनालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा हेतु ऑनलाइन वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठकों का आयोजन संचालक विस्तार डॉ दिनकर प्रसाद शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम :–

- विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 216 गांवों को अंगीकृत किया गया है साथ ही किसान मोबाइल संदेश के माध्यम से बाइस लाख पचपन हजार चार सौ इक्तीस कृषक पंजीकृत हैं साथ ही समय–समय पर कृषि संबंधी जानकारी मोबाइल संदेश के माध्यम से प्रेषित की जाती है ।
- सीड हब परियोजना के अंतर्गत दलहनी फसलों में 10 वर्ष की उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज का उत्पादन कर किसानों तक पहुँचाया जाता है । अभी तक 14423 क्विंटल बीज किसानों तक पहुंचाया जा चुका है ।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से 2042 प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें

महिला कृषक, ग्रामीण युवा, विस्तार कार्यकर्ता, व्यावसायिक व प्रायोजक को प्रशिक्षित किया गया, जिसमें 62184 कृषक लाभांवित हुये।

- भारत सरकार ने स्वतंत्रता के 75वें वर्ष को ''अमृत महोत्सव'' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है इसी कडी में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अधिनस्त 22 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से दिनांक 22 मार्च 2021 को जलवायु लचीला कृषि : प्रति बूंद अधिक फसल (विश्व जल दिवस) का आयोजन आनलाइन किया गया जल शक्ति अभियान के तहत जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन जैसे गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से प्रति सप्ताह आनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किये जा रहे हैं साथ ही पारम्परिक और अन्य जल निकायों का नवीनीकरण, वोरवेल पुनर्मरण संरचनाओं का पुनः उपयोग, वाटर शेड विकास और गहन वृक्षारोपण पर जोर दिया जा रहा है। अबतक 132 प्रशिक्षण आयोजित किये जा चुके हैं जिसमें 6536 कृषक, कृषक महिला एवं उद्यमियों ने भाग लिया।
- पशु स्वास्थ और दुग्ध उत्पादकता वृद्धि हेतु विश्व दुग्ध उत्पादन का आयोजन 1 जून 2021 को आनलाइन किया गया जिसमें 1141 कृषकों ने भाग लिया।
- जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अधीनस्थ कार्यरत 22 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किसान उत्पादक संगठन कुल 32 व 183 स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया।
- बीसा परियोजना के तहत 23–25 फरवरी 2021 के ''कृषि प्रोद्योगिकी में प्रगति विषय पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन संचालनालय में किया गया जिसमें समस्त कृषि विज्ञान केन्दों के 30 वैज्ञानिकों ने भाग लिया ।
- 3 अप्रैल 2021 को मिन्टो हाल भोपाल में आयोजित कार्यक्रम ''मिशन अर्थ'' कार्यक्रम में किसान उत्पादक संगठनों एवं कृषि अद्योसंरचना निधि के हितग्राहियों का सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें समस्त केन्द्रों पर 987 वैज्ञानिकों, कृषकों एवं विभागीय कर्मचारियों की सहभागिता रही ।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट

केन्द्र में राष्ट्रीय उद्यानिकी मेला 2021 प्रसारण कार्यक्रम का आयोजन :–

दिनांक 11/02/2021 को केन्द्र में राष्ट्रीय उद्यानिकी मेला 2021 का आयोजन वर्चुअल माध्यम से किया गया। यह कार्यक्रम वर्चुअल भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलूर से किया गया। कार्यक्रम केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.एल. राऊत के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम में उपसंचालक कृषि बालाघाट श्री सी.आर. गौर एवं सहायक संचालक उद्यानिकी बालाघाट श्री सी.बी. देशमुख उपस्थित हुयें। इसके साथ ही सिवनी और बालाघाट जिले के 123 किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर कृषक प्रशिक्षण एवं वैज्ञानिक परिसंवाद भी किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन :–

केन्द्र द्वारा दिनांक 08/03/2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जिसमें जिले की महिला किसानों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.एल. राऊत के मार्गदर्शन में किरनापुर की सफल मशरूम उत्पादन महिला कृषक श्रीमती अर्जना सारंगपुरे के मुख्य आतिथ्य में आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों एवं कार्यकर्ताओं तथा महिला कृषकों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। महिला एवं बाल विकास विभाग से 56 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे एवं महिला किसान एवं स्कूल के छात्राओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। केन्द्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रंगोली प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रति योगिता का आयोजन किया गया ।

विश्व जल दिवस का आयोजन :–

केन्द्र में दिनांक 22/03/2021 को विश्व जल दिवस का आयोजन केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.एल. राऊत के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम में कृषक महिलाएं 25 एवं स्व. दिलीप भटेरे कला विज्ञान महाविद्यालय किरनापुर के 42 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. राऊत द्वारा जल संसाधन के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गयी एवं महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा भी जल संरक्षण पर विचार व्यक्त किये गये।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक :–

केन्द्र में दिनांक 18/03/2021 को वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता संचालक विस्तार सेवायें, ज.ने.कृ.वि.वि. जबलपुर, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. एस. के. गुप्ता एवं डॉ. व्ही.के. पराडकर, अधिष्ठाता, कृषि महाविधालय छिंन्दवाडा केंद्र के समस्त वैज्ञानिक एवं जिले के सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित हुए।

सीड हब के अतंर्गत दलहनी फसलों का प्रदर्शन :–

केन्द्र के अंतर्गत संचालित ''सीड हब'' योजनान्तर्गत दलहनी फसलों (चना, अरहर, मूंग) की उन्नत प्रजातियों का प्रमाणित बीज जिले के कृषकों के खेतों में उत्पादित करने का कार्य संचालित हो रहा है। केन्द्र को इस योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष (तीनों मौसम मिलाकर) एक हजार क्विंटल दलहनी फसलों के बीजोत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। केन्द्र पर संचालित इस योजना के अंतर्गत सिर्फ एक मौसम में लॉकडाउन के दौरान चने की नवीनतम रोगरोधी एवं विपुल उत्पादन क्षमता (28–30 क्विं./हे.) वाली प्रजाति आर.व्ही.जी. 202 का 1114.61 क्विंटल बीज उत्पादित हुआ है। इस बीज का अग्रिम भुगतान रू. 45 लाख बीज उत्पादक कृषकों को दिया जा चुका है। शेष भुगतान बीज परीक्षण में पास होने पर एवं उत्पादन अनुदान लगभग रू. 2400 प्रति क्विंटल बीज विक्रय हेतु पेक होने पर दिया जाता है जिससे उत्पादक कृषकों को लगभग 27 लाख का अतिरिक्त लाभ होगा। अभी ग्रीष्मकालीन मूंग एम.एच. 421 लगभग 40 हेक्टेयर में लगा हैं एवं खरीफ में अरहर की पूसा–16 प्रजाति प्रस्तावित है। उन्नत प्रजाति एवं उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकी के सही क्रियान्वयन से जिले के कृषक श्री केशोराव लिखितकर, नयेगांव एवं श्री नारायण घानेकर, भैंसदेही द्वारा इस प्रजाति की उत्पादन क्षमता से अधिक (32 क्विं./हे.) उत्पादन लिया गया है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर

तेवड़ा का करें उन्मूलन :–

केन्द्र में दिनांक 04.02.2021 को तेवड़ा उन्मूलन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । वर्तमान में चना फसल के प्रमुख खरपतवार तेवड़ा (लैथाइरस/घास मटर) का उचित प्रबंधन करना अति आवश्यक है । तेवड़ा खरपतवार में न्यूरोटॉक्सिन रसायन पाया जाता है, जिसका शरीर में संचयन होने के पश्चात् मनुष्य में लकवा जैसी बीमारी हो जाती है, इसलिये खेत में इसका उन्मूलन अत्यन्त आवश्यक है। वर्तमान में कृषकों को सलाह दी जाती है कि फसल

60–70 दिन की अवस्था पर है इस समय तेवड़ा खरपतवार को उखाड कर फेंकने का सबसे उचित समय है।

जिन कृषक भाईयों के यहॉ चना फसल में तेवड़ा का पौधा प्रतिवर्ष दृष्टिगत होता है वह फसल चक्र का अपनाऐं और उक्त खरपतवार के उपयुक्त प्रबंधन हेतु रासायनिक नींदानाशक दवा फ्लूक्लोरॉलीन (वैसालीन) 50 प्रतिशत ई.सी. का 0.75 कि.ग्रा. सक्रियतत्व/हे. की दर से बुवाई के समय प्रयोग करें तो तेवड़ा खरपतवार का प्रबंधन 80–85 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है, जिससे अगले वर्ष चना की फसल में उक्त खरपवार आने की कम से कम संभावना रहे।

कृषक प्रक्षेत्र दिवस :–

केन्द्र में 03.03.2021 को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अंतर्गत समूह दलहन एवं समूह चालन प्रदर्शन अंतर्गत प्रदर्शित तकनीक चने की उन्नतशील प्रजाति जे.जी.12 एवं सरसों की उन्नत प्रजाति पूसा मस्टर्ड 30 के परिणाम प्रदर्शन को दृष्टिगत करने हेतु कृषक प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया आयोजन के दौरान उपस्थित दर्शकों को बताया गया कि उक्त चने की प्रजाति को उगरा अवरोधी के साथ–साथ अत्यधिक उत्पादन क्षमता वाली है और साथ ही साथ सरसों की प्रजाति पूसा सरसों 30 जो माहू कीट के प्रति प्रतिशीलता के साथ–साथ अत्यधिक उत्पादन क्षमता वाली है जिसका अवलोकन उपस्थित कृषकों द्वारा किया गया और उनके द्वारा यह परिणाम पाया गया कि प्रति पौध फली की संख्या प्रति मीटर2 उत्पादन क्षमता का आकलन किया गया और उपस्थित कृषकों द्वारा सकारात्मक पाया गया कि उक्त प्रदर्शित प्रजाति कृषक तकनीक में प्रदर्शित तकनीक से बहुत अच्छा है न कि उत्पादन में बल्कि रोग कीट प्रतिरोधक क्षमता में भी प्रभावशील है इसलिए भविष्य में भी हम लोग उक्त प्रजाति को अपनायें ।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अन्तर्गत आदान वितरण :–

केन्द्र में राष्ट्रीय सुरक्षा मिश्नान अंतर्गत खरीफ वर्ष 2021–22 में समन्वित आदान का वितरण किया गया जिससे मूंगफली की प्रजाति धरणी एवं उर्द की प्रजाति प्रताप 1 के बीज के साथ–साथ उपयुक्त फंफूदनाशक दवा कार्बोक्सीन+थायराम का भी वितरण बीज उपचार हेतु किया गया क्योंकि उक्त फसल में मूंगफली की प्रजाति टिक्का रोग प्रतिरोधक क्षमता के साथ–साथ 20–22 क्विंटल/है. उत्पादन क्षमता वाली किस्म है और उर्द की किस्म पीलामोजेक रोग के प्रति प्रतिरोधी है।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति के बैठक का व्याख्यान प्रतिवेदन :–

केन्द्र द्वारा दिनांक 15 जून 2021 को वैज्ञानिक सलाहकार समिति के बैठक का आयोजन डॉ0 दिनकर

प्रसाद शर्मा, संचालक विस्तार सेवाएं की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, एवं सुझाव दिया गया है कि संस्था स्वच्छता के साथ–साथ उसमें जीवित प्रदर्शन इकाई स्थापित हो जैसे एजोला इकाई, वर्मी कम्पोस्ट, जैव अपघटक इकाई, बहुवर्षीय चारा उत्पादन इकाई इत्यादि । डॉ. टी.आर.शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में सम्मिलित सभी सदस्यों के सुझाव का मौखिक समाधान किया गया और केन्द्र द्वारा अनुपालन करने हेतु निर्देशित किया गया। केन्द्र प्रभारी डॉ. राजीव सिंह द्वारा केन्द्र के विगत 6 माह की कार्य प्रगति एवं आगामी 6 माह के कार्य योजना के व्याख्यान का प्रस्तुत किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाड़ा

केंद्र द्वारा राष्ट्रीय बागवानी मेला कार्यक्रम का सीधा प्रसारण :–

भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरू द्वारा दिनांक 08–12 फरवरी 2021 को राष्ट्रीय बागवानी मेला का शुभांरभ किया गया। जिसका सीधा प्रसारण केन्द्र द्वारा दिनांक 11.02.2021 को किया गया। इसमें 150 कृषकों ने केन्द्र पर उपस्थित होकर तथा 1000 कृषकों ने ऑनलाइन भाग लिया। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के ए. डी. जी. माननीय डॉ. त्रिलोचन महापात्रा द्वारा विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई एवं अन्य वैज्ञानिकों द्वारा बागवानी फसलों मे विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में केंद्र के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों डॉ. सुरेन्द्र पन्नासे, डॉ. एस. डी. सावरकर, डॉ पी एल अम्बुलकर, डॉ डी. सी. श्रीवास्तव, डॉ. सरिता सिंह, श्रीमति रिया ठाकुर, श्री नितेश गुप्ता, डॉ. एस. के. अहिरवार, श्री सुंदरलाल अलावा एवं श्रीमति चंचल भार्गव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम का आयोजन :–

भारत सरकार के निर्देशानुसार केन्द्र द्वारा दिनांक 26 फरवरी 2021 को शासकीय उ. मा. कन्या शाला, कैलाशनगर, छिंदवाड़ा मे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. सुरेन्द्र पन्नासे के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियों जैसे प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता, विज्ञान संबंधी खेल, वाद विवाद प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता मे भाग लेने वाली सभी छात्राओं को केन्द्र द्वारा प्रशश्ति पत्र प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में विघालय की प्राचार्य श्रीमति मनिषा मिश्रा का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम में केन्द्र के श्री पी. एल. अंबुलकर, डॉ. डी.सी. श्रीवास्तव, डॉ. एस. के. अहिरवार एवं श्रीमति चंचल भार्गव ने भाग लिया।

मोतीपालन परियोजना अंतर्गत शल्य क्रिया सह प्रशिक्षण कार्यक्रम :–

केन्द्र द्वारा दिनांक 18–22 मार्च 2021 को

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्राप्त आदिवासी उपयोजना मे मोतीपालन परियोजना अंतर्गत शल्य क्रिया कार्यक्रम परियोजना प्रभारी श्रीमति चंचल भार्गव द्वारा केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. सुरेन्द्र पन्नासे के मार्गदर्शन मे किया गया। मोतीपालन परियोजना अंतर्गत शल्य क्रिया सह प्रशिक्षण कार्यक्रम मे राज्य के विभिन्न जिलों से आए कृषकों को मोतीपालन की विस्तृत जानकारी दी गई। संचालक विस्तार सेवाऐ, ज.ने.कृ.वि.वि. डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता द्वारा मोतीपालन परियोजना अंतर्गत शल्य क्रिया सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी अवलोकन कर कृषकों को मार्गदर्शन दिया गया। इस कार्यक्रम में केंद्र के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों डॉ. सुरेन्द्र पन्नासे, डॉ. एस. डी. सावरकर, डॉ पी एल अम्बुलकर, डॉ डी. सी. श्रीवास्तव, श्रीमति रिया ठाकुर, डॉ. एस. के. अहिरवार,एवं श्रीमति चंचल भार्गव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाडा – 2

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक :–

कृषि विज्ञान केंद्र- II, तामिया की चतुर्थ खरीफ पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 15.06.2021 को ऑनलाइन के माध्यम से डॉ. दिनकर शर्मा, संचालक विस्तार सेवाएं, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर की अध्यक्षता में की गयी जिसमे डॉ. आर. के. झाड़े, प्रभारी, कृषि विज्ञान केंद्र - II, देलाखारी, तामिया द्वारा रबी 2020 – 21का क्रियान्वयन एवं खरीफ 2021 के लिए कार्ययोजना सहित प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में जिले के कृषि सम्बंधित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों सहित प्रगतिशील कृषको ने माननीय सदस्यों के रूप में हिस्सा लिया और केंद्र व जिले के विकास में अपने सुझाव प्रस्तुत किये। बैठक में संचालनालय विस्तार सेवाएं से डॉ. टी. आर. शर्मा, प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अर्चना पांडेय, डॉ. प्रमोद गुप्ता, डॉ. दीपाली बाजपेयी ने अपनी सहभागिता दी एवं केंद्र की विभिन्न गतिविधियों के सफल संचालन के लिए मार्गदर्शन दिया। इस कार्यक्रम में डॉ. विजय पराड़कर, अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, छिंदवाड़ा, डॉ. सुरेंद्र पन्नासे, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, छिंदवाडा, डॉ विजय वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, बैतूल, साथ ही केंद्र के वैज्ञानिक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह

मेघदूत मोबाइल एप (Meghdoot Mobile App) :–

डिजिटल इंडिया के तहत किसानों को इंटरनेट तकनीकी से जोड़ने के लिए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) भारत सरकार ने मेघदूत मोबाइल एप लांच किया है। यह एप किसानों को उनके क्षेत्र के हिसाब से कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मछलीपालन के लिए मौसम आधारित सलाह स्थानीय भाषा में प्रदान करता है। इसके साथ आगामी 5 दिनों के मौसम का अनुमान एवं पिछले दस दिनों का मौसम की जानकारी प्रदान करता है।

दामिनी मोबाइल एप (Damini Mobile App) :–

यह एप इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मैट्रोलोजी पुणे एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES)

भारत सरकार की मदद से तैयार किया गया है, जो कि गूगल प्ले स्टोर में निः शुल्क उपलब्ध है। यह एप 20–40 किमी. के दायरे में गिरने वाली बिजली की सूचना 30–40 मिनिट पहले मोबाइल फोन उपयोगकर्ता को चेतावनी के रूप में मिलेगी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डोरी

योग दिवस का आयोजन :–

दिनांक 21 जून को केंद्र में केंद्र प्रभारी डॉक्टर गीता सिंह के नेतृत्व में विश्व योग दिवस के अवसर पर समस्त स्टाफ के साथ योग किया गया। जैसा कि सर्वविदित है कि वर्तमान में पूरा विश्व कोविड–19 से जूझ रहा है ऐसे समय में योगा एक ऐसा उपाय है जो कि कोरोना के दुष्प्रभाव से हमें बचा सकता है। इस वर्ष योग दिवस की थीम **''योग रखे निरोग''** है। शरीर को निरोग रखने में योग का महत्वपूर्ण योगदान है और ये भारत ने ही पूरी दुनिया को बताया।इस अवसर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का प्रसारण भी दिखाया गया जिसके मुख्य अतिथि योग गुरु श्री बाबा रामदेव थे एवं अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो पी के बिसेन थे। कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉक्टर सतेंद्र कुमार, श्रीमती रेनू पाठक, श्री अवधेश पटेल , श्वेता मसराम एवं ज्योति लारिया की सक्रिय भागीदारी रही।

विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन :–

केंद्र प्रभारी श्रीमती गीता सिंह के मार्गदर्शन में पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौध रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत अमरुद सीताफल एवं नीम के पौधों को लगाया गया । कार्यक्रम के सफल आयोजन में केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर सतेंद्र कुमार, तकनीकी अधिकारी श्रीमती रेनू पाठक , कार्यक्रम सहायक उद्यानिकी श्री अवधेश पटेल, कार्यक्रम सहायक फसल श्वेता मसराम ,श्री मदन मोहन दुबे श्री के पी तिवारी एवं ज्योति लारिया का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया जो कि विशेष रूप से जैव ईंधन आधारित था। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम इकोसिस्टम रिस्टोरेशन थी। माननीय प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा की भारत में गैस आधारित ईंधन व्यवस्था होने से महिलाओं को रात दिन चूल्हे के धुंए से होने वाली परेशानियों से बचाया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने महाराष्ट्र पूना हेतु इथेनॉल ई 100 तीन पायलट प्रोजेक्ट का लोकार्पण किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा

माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल द्वारा कृषि ओपीडी का उद्‌घाटन :–

केन्द्र में दिनांक 26.1.2021 को माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जी ने प्रदे । की प्रथम ओ पी डी

का उदद्याटन किया उन्होंने कहा कि चिकित्सालयों में स्थित ओ.पी.डी की भांति कृषकों को मौसम में आये बदलाव से फसल में लगने वाले कीट एवं व्याधि की पहचान एवं उपचार की जानकारी हेतु कृ.वि.के. में जा सकते है या सो ाल मीडिया के माध्यम से वाट्सअप कर सकते हैं। कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री कमल पटेल एवं केन्द्र प्रमुख डॉ आर सी भार्मा द्वारा पौधरोपण किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन :–

केन्द्र में दिनांक 8 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन केन्द्र प्रमुख डॉ आर सी भार्मा के मार्गद ान में सम्पन्न हुआ । इसमें केन्द्र की महिला वैज्ञानिकों डॉ. संध्या मुरे, सुश्री जागृति बोरकर एवं सुश्री पुष्पा झारिया ने महिलाओं हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं ने अपनी प्रतिभाओं से परिचित कराया। कार्यक्रम में प्रगति ील महिला कृषक, स्व सहायता समूह की महिलाएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे। इस दौरान अधिवक्ता सुश्री सुचित्रा गोरे ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकार से परिचित कराया साथ ही महिलाओं को उद्यमिता, समानता एवं सशक्तिकरण से परिचित कराया और ऑनलाईन विक्रय किस तरह से किया जाये इसे प्रायोगिक तौर पर समझाया। प्रशिक्षण में कुल 65 महिलाओं ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

मशरूम उत्पादन तकनीकी पर कौशल विकास प्रशिक्षण संपन्न :–

भारत सरकार कृषि कौशल विकास परिषद द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के अन्तर्गत मशरूम उत्पादन तकनीकी पर कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन केन्द्र द्वारा 200 घंटे दिनांक 02 मार्च से 31 मार्च 2021 तक किया गया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर डॉ. ओम गुप्ता, संचालक, विस्तार सेवाएँ, ज.ने.कृ.वि.वि. में एवं डॉ. डी.पी. शर्मा संयुक्त संचालक विस्तार सेवायें की अध्यक्षता एवं केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। मशरूम उत्पादन कर ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार स्थापित कर कुपोषण से बचा जा सकता है।

कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक एवं वैज्ञानिक के रूप में डॉ. नीलू विश्वकर्मा द्वारा मशरूम उत्पादन की विविध विधाओं आयस्टर, बटन मशरूम उत्पादन के साथ स्पान तैयार करना, मशरूम का मूल्य संवर्धन आदि की संभावनाओं के विषय में बताया। 30 दिवसीय प्रशिक्षक कार्यक्रम में प्रशिक्षण व्याख्यान साथ–साथ प्रायोगिक तरीकों से प्रशिक्षणर्थियों को कुशल बनाया गया। डॉ. दिनेश कुमार सिंह एवं श्रीमति जी.जी.एनी के विशेष तकनीकी सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. यतिराज खरे, डॉ. नितिन सिंघई, डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. अक्षता तोमर, डॉ. प्रमोद शर्मा एवं डॉ. पूजा चतुर्वेदी ने प्रशिक्षण संपादन में सहयोग प्रदान कर प्रशिक्षक को सफल बनाया।

केन्द्र एवं इंडियन आयल के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस :–

माननीय कुलपति जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय प्रो. पी.के. बिसेन जी की प्रेरणा से केन्द्र व इंडियन आयल द्वारा संयुक्त रूप से विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन 05 जून 2021 को किया गया। इस अवसर पर केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला द्वारा स्वागत उद्‌बोधन में पर्यावरण के महत्व को बताते हुए विश्व पर्यावरण दिवस अवसर पर कम से कम प्रदूषण फैलाने व एक पौध लगाने की अपील की गयी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. डी.पी. शर्मा, संचालक विस्तार सेवायें ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया, डॉ. शर्मा ने बताया कि हमें पर्यावरण को बचाना है तथा पेट्रोलियम पदार्थो को खरीदने में लगने वाली विदेशी मुद्रा भी बचाना है यदि पेट्रोल में इथेनॉल का उपयोग करें जो हम फेंक देते थे इससे किसानों के आय में भी बढ़ोत्तरी होगी।

सत्रहवीं वैज्ञानिक परामर्शदात्री बैठक सम्पन्न :–

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन के निर्देश पर ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर केन्द्र की सत्रहवीं वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति बैठक दिनांक 17 जून 2021 को आयोजित की गई। संचालक विस्तार सेवायें डॉ. डी.पी. शर्मा कार्यक्रम अध्यक्ष द्वारा केन्द्र द्वारा बनायी जा रही डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रोंमों लांच किया गया, इस ऑन लाइन बैठक में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला द्वारा गतवर्ष खरीफ 2020 में किये गये प्रक्षेत्र परीक्षण व अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों के परिणामों को विस्तार पूर्वक बताया एवं इस वर्ष खरीफ 2021 मौसम में प्रस्तावित किये जाने वाले परीक्षणों व प्रदर्शनों के बारे में एवं प्रशिक्षणों व विस्तार कार्यक्रमों के विषय में विवरण बताया गया।

ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर के संचालक विस्तार सेवायें डॉ. डी.पी. शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस सत्रहवीं बैठक में निदेशक अटारी डॉ. एस.आर.के. सिंह, कृ.वि.के., डॉ. ए.के. भौमिक अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर, डॉ. एस.के. पांडेय विभागाध्यक्ष उद्यानिकी, डॉ. ए.के. द्विवेदी विभागाध्यक्ष मृदा विज्ञान, डॉ. राकेश बाजपेयी विभागाध्यक्ष वानिकी विभाग, डॉ. एस.के. द्विवेदी, डॉ. वी.बी. उपाध्याय विभागाध्यक्ष शस्य विज्ञान, डॉ. टी.आर. शर्मा प्रधान वैज्ञानिक व उप–कुलसचिव, डॉ. हरीश दीक्षित वरिष्ठ वैज्ञानिक एटिक, डॉ. शेखर सिंह बघेल वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रभारी ज्ञान वाणी, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री अपूर्व गुप्ता, जिला मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के प्रभारी श्री मुकेश वर्मा, सहायक संचालक कृषि श्री ललित गालव, कोरोमंडल इंटरनेशनल लिए के. श्री अजीत साहू आदि सहित प्रगति कृषक श्री गैंदालाल कुशवाहा (पनागर), श्री मनोज चौबे (मोहतरा सिहोरा) श्री रामसिंह ठाकुर (शहपुरा), श्री रामफल झारिया (कुण्डम), श्री मुकेश पचौरी (पाटन) द्वारा आन लाइन उपस्थित होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव आगामी कार्ययोजना में शामिल करने हेतु दिये ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी

केंद्र के प्रशासनिक भवन का उद्घघाटन :–

दिनांक 23.02.2021 को केंद्र के प्रशासनिक भवन का उद्घघाटन 23 फरवरी के साथ– साथ किसान गोष्ठी एवं सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि माननीय श्री विष्णु दत्त शर्मा ,सांसद खजुराहो क्षेत्र कार्यक्रम के अध्यक्ष ,माननीय डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन, कुलपति जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर, डॉ. पी.के मिश्रा, संचालक अनुसंधान सेवाएं, डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवाए, डॉ. दिनकर शर्मा ,संयुक्त संचालक एवं डॉ. अमित शर्मा अधिष्ठता छात्र कल्याण के निर्देशन और केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. ए.के तोमर के नेतृत्व में किया गया एवं केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. आर. के मिश्रा, डॉ. आर पी .बैन, डॉ. अर्पिता श्रीवास्तव, डॉ. के.पी .द्विवेदी, डॉ. संदीप चंद्रवंशी, डॉ. भगवन बामनिया एवं श्रीमती प्रियंका धुर्वे उपस्थित थी ।

मिशन अर्थ में वेबकास्ट के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा किसानों को संबोधन एवं किसान गोष्ठी कार्यक्रम :–

केंद्र में मिशन अर्थ के द्वारा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा किसानों को संबोधित किया गया इस कार्यक्रम में केंद्र के द्वारा 52 किसानों ने भाग लिया साथ ही केंद्र के डॉ ए.के. तोमर वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, वैज्ञानिक डॉ आर. के. मिश्रा, डॉ आर.पी. बेन, डॉ के पी द्विवेदी, डॉ अर्पिता

श्रीवास्तव, श्री संदीप कुमार चंद्रवंशी, श्री भगवान बामणिया एवं श्रीमती प्रियंका धुर्वे ने भाग लिया।

प्रदर्शन इकाइयों का भ्रमण :–

क्षेत्र भ्रमण एवं प्रदर्शन इकाइयों का किसानों के द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र में संचालित विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों में किसानों एवं केंद्र के अधिकारियों के द्वारा भ्रमण किया गया और किसानों की समस्याओं का समाधान किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला

माननीय केन्द्रीय इस्पात राज्यमंत्री जी ने किया प्रशिक्षण पुस्तिकाओं का विमोचन :–

केन्द्र और भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के कन्वर्जेंस के माध्यम से केन्द्र के प्रॉगण में राश्ट्रीय आलू मेला सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम 13–14 मार्च 2021 को आयोजित किया गया जिसमें माननीय केन्द्रीय इस्पात राज्यमंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते जी, राज्यसभा सांसद श्रीमति सम्पतिया उईके, विधायक मण्डला श्री देवसिंह सैयाम, विधायक बिछिया श्री नारायण सिंह पट्टा, विधायक निवास डॉ अशोक मर्सकोले, जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय जबलपुर के. मान. कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन एवं संचालक विस्तार सेवायें डॉ ओम गुप्ता, संचालक डॉ. एस.आर.के. सिंह, अटारी जोन –9 जबलपुर, कलेक्टर श्रीमति हर्षिका सिंह, पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति सरस्वती मरावी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भौलेश मिश्रा, द्वारा विभिन्न किताब जैसे नर्सरी प्रबंधन, मशरूम उत्पादन, जैविक उत्पादन और प्रक्षेत्र जैव अपशिष्ठ प्रबंधन, प्रशिक्षण पुस्तिका का विमोचन किया गया। प्रशिक्षण पुस्तिकाओं का संकलन एवं लेखन कार्य केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. विशाल मेश्राम, डॉ. आर.पी. अहिरवार, डॉ. प्रणय, भारती, नीलकमल पन्द्रे द्वारा किया गया है। पुस्तके भारतीय कृषि कौशल परिशद अन्तर्गत कौशल प्रशिक्षण एवं गरीब कल्याण रोजगार अभियान के अन्तर्गत रोजगार उन्मूलक प्रशिक्षण स्वरूप संकलित की गई है। यह पुस्तकें ग्रामीण स्तर पर लघु व्यवसाय स्थापित करने में सही साबित होगी जिससे लघु व्यवसाय स्थापित करके कम लागत में ग्रामीण स्तर पर भी अधिक आय प्राप्त कर सकते है।

बीज बम से रोजगार सृजन का दिया प्रशिक्षण :–

केन्द्र में रिलायंस फाउण्डेशन के सहयोग से

जिले के विभिन्न ग्रामों चिरईडोंगरी दुदुम रैयत, भालीवाडा जर, जहरमउ, डुगरिया, चिरईडोंगरी माल, अमझर माल, रैवाडा, तूमेगांव, मोहगांव, सांगवा, जेवनारा आदि के 110 कृषकों, स्वयं सहायता समूह की दीदीयॉ और युवा बेरोजगारों की सीड बॉल या बीज बम बनाकर कैसे रोजगार प्राप्त किया जा सकता है जिन बीज बम को वृक्षारोपण हेतु रखा जाना है उनमें केंचुआ खाद या गोबर की अच्छी पकी खाद व मिट्टी लेकर पानी की सहायता से उसके अंदर बीज के आकार अनुरूप 2–4 बीज रखकर गेंद बनाकर धूप में सुखा कर तैयार कर सकते हैं यदि बीज बम को फेंकने के लिए प्रयोग किया जाना है तो उसमें केवल मिट्टी का ही प्रयोग किया जाता है किसी प्रकार की खाद की आवश्यकता नही होती क्योंकि फेंकने से बॉल टूट जाती है और मिट्टी से बीज अलग हो जाते हैं एक दिन में ही 1000–2000 बीज बम बनाये जा सकते है इस कार्य के द्वारा आय के साथ 2 वृक्षारोपण की मुहिम मे भी शामिल होकर जिले को हरा–भरा बनाने में सार्थक पहल की जा सकती हैं।

अरहर की उन्नत किस्में राजेश्वरी बीज का किया वितरण एवं बीज उपचार हेतु दिया प्रशिक्षण :–

केंद्र द्वारा अपने अंगीकृत ग्राम खुक्सर में आदिवासी उपयोजना एवं संकुल दलहन संकुल प्रदर्शन कार्यक्रम अंतर्गत संस्था प्रमुख डॉ. विशाल मेश्राम के मार्गदर्शन में बीज वितरण से कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया। इस प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को डॉ. आर. पी. अहिरवार वैज्ञानिक द्वारा अरहर उत्पादन तकनीक के साथ अरहर फसल में पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर

प्रशिक्षण दिया गया। श्री नीलकमल पन्द्रे द्वारा बीज उपचार विधि का सजीव प्रदर्शन कराया गया तथा बताया कि बीज उपचार हेतु रसायनिक तथा जैविक दोनों तरह की दवाओं का प्रयोग किया जा सकता है रसायनिक दवा के रूप में कार्बेंडाजिम 12 प्रतिशत. मैनकोज़ेब 63 प्रतिशत (साफ) घुलनशील चूर्ण की 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से या कार्बोक्सिंन 37. 5 प्रतिशत. थायरम 37.5 प्रतिशत (विटावेक्स पॉवर) दवा का 1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपयोग किया जा सकता है। जैविक दवाई के रूप में ट्राईकोडरमा विरिडि 7 से 10 ग्राम, स्यूडोमोनास 7 से 10 ग्राम एवं राइजोबियम कल्चर 7 से 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज उपचार हेतु उपयोग करना चाहिए।

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर

मूंग एवं तिल का प्रक्षेत्र दिवस :–

दिनांक 07.06.2021 को केन्द्र द्वारा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में ग्राम धवई टपरियॉ, विकासखण्ड – नरसिंहपुर में जायद मूंग एवं तिल का प्रक्षेत्र दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत तिलहन एवं दलहन क्लस्टर प्रदर्शन (मूंग एवं तिल) का 20 हे. रकबा में 50 कृषको को प्रदर्शन दिया गया था। कार्यक्रम प्रभारी वैज्ञानिक श्रीमति निधि वर्मा (सस्य विज्ञान) द्वारा मूंग एवं तिल के प्रदर्शन का भ्रमण किया। जिसमें देखा गया कि कृषकों द्वारा लगाई जाने वाली देशी किस्म मूंग की PDM -139 में पीला मोजेक एवं कीट के प्रकोप के कारण उपज में भारी कमी देखी गई। प्रदर्शन में दी गई उन्नत किस्म – MH-421 का एक एकड में 6 क्विटल उत्पादन मिला। इसी प्रकार तिल में उन्नत किस्म TKG-306 को जायद में अत्यंत लाभदायक फसल के रूप में देखा गया। तिल की फसल जायद के साथ खरीफ में भी अतिरिक्त उत्पादन प्राप्त करा सकती है।

समूह दलहन प्रदर्शन के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन :–

केंद्र द्वारा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. के. व्ही. सहारे के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत दलहन प्रदर्शन मूंग का 10 हेक्टेयर में 25 प्रदर्शन अलग–अलग ग्रामों में किए गए । क्लस्टर प्रभारी श्रीमती निधि वर्मा वैज्ञानिक द्वारा ग्राम धवई टपरियॉ व भामा विकासखड क्रमशः नरसिंहपुर एंव गोटेगांव में कृषकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 06.03.2021 को रखा गया जिसमें मूंग की उन्नत किस्म एम.एच. 421 जो कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से 2016 में विकसित की जानकारी दी गई यह किस्म 52 से 60 दिन में पक कर तैयार होती है इसकी उपज 20 क्विंटल पर हेक्टेयर प्राप्त होती है कृषकों को उद्यानिकी के अंतर्गत गर्मी के लिए सब्जी के उन्नत किस्मों के बीज वितरित कियें गयें। साथ ही समूह दलहन प्रदर्शन में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम के 20 कृषकों की उपस्थिति सराहनीय रही।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन :–

केन्द्र में 08 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला

दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ0 पी0एन0 त्रिपाठी ने महिलाओं की कृषि क्षेत्र में भागीदारी एवं महिला सशक्तिकरण के विषय पर चर्चा की। कार्यक्रम में उपसंचालक कृषि श्री ए0पी0 सुमन, ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु सुझाव दिये। कार्यक्रम में जिले की प्रगतिशील महिला उद्यमियों डॉ0 भारती खरे विकल्प सामाजिक संस्था, एनएमडीसी स्वास्थ्य क्षेत्र में, श्रीमती भगवती यादव को आंवला प्रसंस्करण के क्षेत्र में, श्रीमती मीतू दत्ता आदर्श सांसद ग्राम जमुन्हाई को साबुन बनाने के लिए, श्रीमती चन्द्ररेखा बाला, राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर जैविक खाद एवं कीटनाशी, प्रशिक्षण के लिए प्रशस्ति पत्र शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं को केन्द्र में संचालित विभिन्न ईकाईयों का भ्रमण कराया गया।

कौशल विकास प्रशिक्षण सम्पन्न :–

केन्द्र द्वारा भारत सरकार के कौशल विकास योजना अंतर्गत 25 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण केंचुआ खाद उत्पादन तकनीक पर दिनांक 02 मार्च से 26 मार्च तक आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को केंचुआ खाद के व्यवसायिक उत्पादन हेतु उन्नत तकनीक बताई गई साथ ही कृषि में केंचुआ खाद का महत्व उसका उपयोग के बारे में भी बताया गया। केन्द्र प्रभारी डॉ0 पी0एन0 त्रिपाठी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को जैविक खेती एवं जैव उर्वरकों के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण प्रभारी श्री रितेश बागोरा द्वारा प्रशिक्षार्थियों को केंचुआ खाद उत्पादन के बारे में विस्तार से बताया गया। पुरूषोत्तमपुर, गुखौर, जनवार एवं गुनौर के 25 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा

रीवा में स्ट्राबेरी की खेती में नवाचार :–

मऊगंज ब्लॉक के रकरी गांव के प्रगतिशील कृषक श्री धर्मजय सिंह पिछले सात वर्षों से केन्द्र रीवा के वैज्ञानिको के मार्गदर्शन में आधुनिक तकनीक का समावेश कर गुलाब की खेती पॉलीहाउस में, आलू की खेती बड़े क्षेत्र में कर कीर्तिमान स्थापित किया, ज्वार की खेती 50 एकड़ में, प्याज की पौधशाला में बुवाई कर चुके है, इसी क्रम में इस वर्ष आत्म निर्भर भारत की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए रीवा में वैज्ञानिकों के सहयोग से स्ट्राबेरी की खेती में नवाचार किए जो रीवा के लिए एकदम नया और प्रदेश के किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। स्ट्राबेरी की खेती इस वर्ष 2 एकड़ क्षेत्र में है जिसमें फल निकलना शुरू भी हो गया है। जिसमे विटामिन सी, ए, के, के अतिरिक्त कैल्शियम, फास्फोरस और फाइबर्स पाए जाते है। इसमें शुगर कोलेस्ट्रॉल फैट न के बराबर होते है। केन्द्र के प्रमुख डॉक्टर ए के पांडेय, उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर डॉक्टर राजेश सिंह एवम् पौध सरंक्षण वैज्ञानिक डॉक्टर

अखिलेश कुमार ने स्ट्राबेरी खेत का निरीक्षण किया और प्रगतिशील कृषक का मार्गदर्शन किया और आशा व्यक्त किया कि रीवा के अन्य किसान इसे देखकर प्रेरणा लेगे।

महिला स्व .सहायता समूहो हेतू बीजोत्पादन एवं प्रसंस्करण विशय पर कौशल विकास प्रशिक्षण संपन्न :–

नाबार्ड, भारत सरकार के अर्न्तगत संचालित सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम के तत्वाधान में बीजोत्पादन एवं प्रसंस्करण विशय पर 15 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण महिला स्व सहायता समूहो के लिये रायपुर के गोरगांव ग्राम में आयोजित किया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्धाटन कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. ए. के. पान्डे ने स्व सहायता समूह की ग्रामीण महिलाओं से आग्रह किया कि वे बीज उत्पादन एवं प्रसंस्करण के क्षेत्र में ज्ञान अर्जित कर उक्त तकनीकी का अंगीकरण कर इसे एक उत्तम व्यवसाय के रूप में विकसित करें। बीज उत्पादन से संबंधित महत्वपूर्ण विषय– बीज का प्रकार, पृथक्करण दूरी, रोगिंग आदि सस्य विधियों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण डॉ. बी. के तिवारी ने प्रदान किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के निर्देशक डॉ. संजय सिंह ने बीज प्रसंस्करण का महत्व एवं कम लागत की पर्यावरण अनुकूल जैविक कृषि विधियों को प्रायोगिक ढंग से प्रशिक्षणार्थियो को अवगत कराया। बीज उत्पादन से संबधित कीट व रोग नियंत्रण पर विस्तृत चर्चा डॉ. अखिलेश कुमार ने की।

संचालक विस्तार सेवाएं डा. ओम गुप्ता द्वारा अंगीकृत गाँव एवं केन्द्र का निरीक्षण :–

केन्द्र के दो दिवसीय प्रवास पर डॉ. (श्रीमती)

ओम गुप्ता संचालक विस्तार सेवाऐं द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र अंगीकृत ग्राम रीठी में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों का निरीक्षण किया जिसमें समन्वित कृषि प्रणाली, पशुपालन, पालीहाउस में गुलाब एवं शिमला मिर्च की खेती, अलसी, चना, प्याज, समन्वित कीट एवं रोग प्रबंधन, पोंषण वाटिका का निरीक्षण कर उचित मार्गदर्शन दिया। केन्द्र में स्थापित विभिन्न इकाई मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, वर्मीकम्पोस्ट, अजोला, औषधीय इकाई, कैफटेरिया में लगी गेहूँ एवं चने की विभिन्न किस्म फसल, पोषण वाटिका, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा इकाई पालीहाउस, आम, व अमरूद के बगीचे का अवलोकन किया। इसके बाद मशरूम एवं जैविक खेती पर आयोजित 25 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण का उद्धद्याटन किया । इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. पाण्डेय ने केन्द्र की गतिविधियों को सराहा और कहा कि कृषक यहाँ से नई–नई जानकारियों को लेकर अपने उत्पादन को बढा सकते है ।

जिले में स्थापित हुआ पहला ऑटोमेटिक मौसम स्टेशन कार्य करना शुरू किया :–

केंद्र में मौसम विज्ञान स्टेशन कार्य करना शुरू कर दिया है जिसमे डॉ. अजय कुमार पांडेय केंद्र के

प्रमुख ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के चलते चक्रवात तो कभी ओलावृष्टि, सूखा–बाढ़, गर्म मौसम लू–पाला, शीतलहर आदि की जानकारी न मिल पाने से फसल को नुकसान पहुंचता था का सटीक समय पर जानकारी मिलने से फायदा होगा। दिन–रात कड़ी मेहनत व भरपूर लागत लगाने के बाद भी किसानों को ऊपज का वास्तविक लाभ नहीं मिल पाता था। केंद्र के मौसम वैज्ञानिक संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि किसी भी फसल की बोआई, कटाई, मड़ाई से लेकर अन्य प्रबंधन करने के लिए सटीक समय की जानकारी मिलेगी। इसके लिए जिले में पहला ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन (स्वचालित मौसम केंद्र) की स्थापित हो गई है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर

तेवड़ा रहित चना उत्पादन हेतु जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन :–

केन्द्र में आयोजित जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम में जिला–कलेक्टर, श्री दीपक सिंह की मुख्य आतिथ्य में संपादित हुआ। इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ0 के0 एस0 यादव ने तेवड़ा रहित चना फसल उत्पादन पर पावर प्वाइन्ट के माध्यम से विशिष्ट उपाय बताए गए। इस अवसर पर क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, सागर के प्रमुख वैज्ञानिक एवं केन्द्र प्रभारी, डॉ0 एम. पी. दुबे तथा कृषि विज्ञान केन्द्र एवं क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, सागर के वैज्ञानिक डॉ0 ममता सिंह, डॉ0 स्मिता पुरी, डॉ0 डी. के. प्यासी, डॉ0 वैशाली शर्मा, डॉ0 डी. पी. सिंह तथा कृषि विभाग से संयुक्त संचालक – श्री प्रजापति, उपसंचालक – श्री बी. एल. मालवीय, सहायक संचालक– श्री जितेन्द्र सिंह एवं अन्य कृषि के अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन :–

केन्द्र में दिनांक 08 मार्च 2020 को केन्द्र प्रमुख डॉ0 के0 एस0 यादव के मार्गदर्शन में "अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ0 हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय से डॉ0 अर्चना पाण्डे, निदेशक फेकल्टी अफेयर ने अपने उद्बोधन में महिलाओं को आशावादी सोच के साथ अपने आप में वर्तमान परिवेश में अपनी दिमागी सोच में विशिष्ट परिवर्तन लाते हुए, अपने परिवार के पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना चाहिए इस अवसर पर विभिन्न ग्रामों से आयी हुई प्रगतिशील कृषक महिला एवं अन्य कृषक समूहों की महिलायें जैसे अम्बिका समूह की श्रीमती सपना राजपूत, शान्ति समूह से श्रीमती तनुजा ठाकुर, रजौआ की ज्योति समूह से श्रीमती रजनी सेन तथा अन्य कृषक महिलाओं के साथ–साथ 80–85 महिलाओं ने भी भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर – II

वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक कृषि :–

दिनांक 23 जून 2021 को केंद्र, सागर एवं केंद्र बिजौरा की वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक डॉ. डी.पी. शर्मा संचालक विस्तार सेवाएं की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर डॉ. के. एस. यादव वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख केंद्र ने विभिन्न गतिविधियों पर एवं 2020–21 की प्रगति प्रतिवेदन तथा 21–22 की

कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण किया कृषि विज्ञान केंद्र सागर की प्रस्तुति के पश्चात केंद्र के प्रभारी डॉ. ए.के. त्रिपाठी ने केंद्र की गतिविधियों पर एवं 2020–21 रवि की प्रगति प्रतिवेदन तथा 2021–22 की कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण किया। ऑनलाइन बैठक में विशिष्ट अतिथि, डॉक्टर एम.पी. दुबे एवं केंद्र के अन्य वैज्ञानिक डॉ. डी.पी. सिंह, डॉ. ममता सिंह, डॉ. वैशाली शर्मा, एवं श्री योगेंद्र आदि उपस्थित रहे। डॉ. डी.पी. शर्मा, संचालक विस्तार सेवाऐं ने बताया कि कृषक महिलाओं को अधिक से अधिक प्रशिक्षण देकर पोषक वाटिका के महत्व एवं स्थापना करने हेतु प्रेरित करें, साथ ही उन्हें स्वावलंबी बनने हेतु प्रशिक्षण दिए जाएं, साथ ही डॉ. टी. आर. शर्मा प्रधान वैज्ञानिक ने सुझाव दिया कि कोई भी कार्यक्रम किसान की समस्या के अनुसार तय किया जावे एवं अधिक से अधिक किसानों को लाभ दिया जाए, कार्यक्रम के अंत में डी.पी. सिंह पशुपालन के द्वारा आभार व्यक्त किया गया ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी

आत्म निर्भर महिला– आत्म निर्भर भारत :–

केंद्र के खाद्य विज्ञान विशेषज्ञ श्री जी. के.

राणा ने जनपद पंचायत कुरई में आयोजित आजीविका मिशन की तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 20.01.2021 को समूह की महिलाओं के उल्लेखनीय कार्यो जैसे विभिन्न समूह बनाकर आर्थिक रूप से सुदृण बनाने हेतु, कृषि के क्षेत्रों में उनके योगदान तथा संभावनाओं पर प्रशिक्षण दिया जिसमें श्री राणा ने बताया कि ग्रामीण स्तर पर उत्पादित होने वाली अनाज, दलहन, तिलहन, फल, फूल तथा सब्जियों को प्राथमिक तथा द्वितीयक प्रसंस्करण तथा मूल्य संवर्धन कर आय का अच्छा जरिया बनाया जा सकता है। जिसमें मुख्य रूप से गेहूँ से दलिया, आटा, धान से चांवल, टुकडी (खण्डा), दलहन से दाल, बेसन, तिलहन से तेल व खली तथा विभिन्न फल, फूलों तथा सब्जियों से जूस, स्कवैश, चटनी, जेम जेली, बडी, मुरब्बा एवं शोभाकारी मालाएं बनाकर अपने दैनिक जीवन में आय के श्रोत बढाकर आजिविका का संवर्धन तथा विकास किया जा सकता है। डॉ. के. पी. एस. सैनी, पशुपालन विशेषज्ञ द्वारा डेयरी कुक्कुटपालन तथा मछलीपालन से भी आत्मनिर्भर होने की बात कही गई । प्रशिक्षण में विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 50 महिलाओं ने भाग लिया तथा जनपद सदस्य कुरई श्री लोचनलाल मर्सकोले की सराहनीय उपस्थिति रही।

आयुर्वेदिक औषधीय पौधों का चिकित्सकीय उपयोग एवं खरीफ फसल की बुआई की तैयारी पर ऑनलाईन प्रशिक्षण :–

केंद्र के खाद्य विज्ञान विशेषज्ञ जी. के. राणा द्वारा आयुर्वेदिक औषधीय पौधों का चिकित्सकीय उपयोग विषय पर ऑनलाईन प्रशिक्षण दिया गया जिसमें लगभग 35 किसान भाईयों एवं बहनों ने भाग

लिया। आयुर्वेदिक औषधियों का इतिहास, महत्व तथा रोगों से लडने की क्षमता के बारे में बताया गया । आज हम कोरोना जैसी महामारी से जूझ रहे है जिसमें मुख्यतः गिलोय का काढा, तुलसी का अर्क, हल्दी जीरा, धनिया और लहसुन जैसे मसाले, तुलसी, दालचीनी, काली मिर्च, शुण्ठी, मुनक्का से निर्मित हर्बल चाय/काढा दिन मे एक से दो बार पिये। गोल्डन मिल्क 150 मि.ली. गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर दिन में एक या दो बार लेना चाहिए। साथ ही केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. के. के. देशमुख द्वारा कृषकों को मृदा परीक्षण का महत्व मृदा परीक्षण के आधार पर अनुशंसित पौध पोषक तत्वों का उपयोग करने, ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई का महत्व आदि पर जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिलायंस फाउंडेशन सिवनी के टीम लीडर श्री दिव्या पाण्डेय एवं उनकी टीम का सहयोग रहा।

केंद्र में कृषि आदान विक्रेताओं हेतु एक वर्षीय देशी डिप्लोमा कार्यक्रम का शुभारंभ :–

जिले के केन्द्र में आज कृषि आदान विक्रेताओं हेतु एक वर्षीय देशी डिप्लोमा पाठ्यक्रम तृतीय बैच का शुभारंभ उपसंचालक कृषि, श्री मौरिस नाथ द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। उपसंचालक कृषि श्री नाथ द्वारा देशी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु उपस्थित आदान विक्रेताओं को कहा कि इस कोर्स के द्वारा आप कृषि की नवीन तकनीकियों, कीट रोग की जानकारी में अवगत होंगे इसलिये पूरी जानकारी का संकलन करना भी आवश्यक है। जिससे भविष्य में एक सम्पूर्ण जानकारी से दक्ष आदान विक्रेता तैयार हो सके। इस अवसर पर देशी डिप्लोमा कोर्स के समन्वयक केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एन. के. सिंह द्वारा उपस्थित आदान विक्रेताओं को कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया गया। देशी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में कुल 40 आदान विक्रेताओं का पंजीयन किया गया। कार्यक्रम में सहायक संचालक कृषि श्री प्रफुल घोडेश्वर, उप परियोजना संचालक श्री नितिन गनवीर, एवं कृषि विज्ञान केंद्र, सिवनी के वैज्ञानि डॉ. के. के. देशमुख की उपस्थिति रही।

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल

प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन :–

केंद्र द्वारा दिनाक 19 फरवरी 2021 को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अंतर्गत चना जे .जी 12 पर प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम ग्राम पथरा, ब्लॉक सोहागपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिको द्वारा जे .जी 12 एवं अन्य किस्मों का अवलोकन किया गया।

मिशन अर्थ वेबकास्टिंग कार्यक्रम :–

केंद्र द्वारा 3 अप्रैल 2021 को वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. मृगेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री मिशन अर्थ वेबकास्टिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया

। माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोरोना की कठिन परिस्थितियों में किसानों की मेहनत ही अर्थव्यवस्था का आधार है। पिछले साल राज्य में समृद्ध खाद्यान्न उत्पादन ने राज्य और राष्ट्र को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय को दोगुना करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इस अवसर पर कृषक एवं कृषक महिलाए बड़ी संख्या में उपस्थित हुए ।

श्री राजीव शर्मा, आयुक्त द्वारा केन्द्र का भ्रमण :–

आयुक्त शहडोल संभाग, श्री. राजीव शर्मा द्वारा 1 जून 2021 को केंद्र का दौरा किया गया । उन्होंने परिसर में विभिन्न प्रदर्शन इकाई जैसे पॉलीहाउस, नेटहाउस, ग्रीनहाउस मीडो ऑर्चर्ड , उच्च घनत्व ऑर्चर्ड, अजोला इकाई, वर्मीकम्पोस्ट इकाई और क्रॉप कैफेटेरिया का दौरा किया। इसके अलावा उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र प्रशिक्षण हॉल और मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में उपलब्ध बुनियादी ढांचे का भी अवलोकन किया।

विश्व दुग्ध दिवस का अयोजन :–

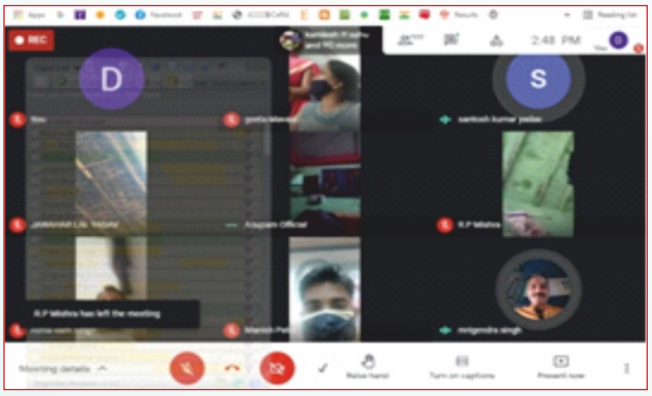

केंद्र द्वारा 1 जून 2021 को केंद्र सिंगरौली और केंद्र सीधी के संयुक्त तत्वाधान में डेयरी क्षेत्र में पर्यावरण, पोषण और डेयरी किसानों के सामाजिक–आर्थिक स्तरों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले विषय पर विश्व दुग्ध दिवस मनाया। इस अवसर पर डॉ. डी.पी. शर्मा, निदेशक विस्तार सेवाये मुख्य अतिथि के साथ डॉ. एस.आर.के. सिंह, निदेशक, अटारी, जोन IX, जबलपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर आयोजित ऑनलाइन कृषक संगोष्ठी में 150 से अधिक किसानों ने भाग लिया और डेयरी व्यवसाय में आने वाली प्रमुख समस्याओ एवं उनके समाधानो पर विस्तार से चर्चा की गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी

राष्ट्रीय उद्यान मेला का आयोजन :–

केन्द्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख प्रो. एम.एस. बघेल, डा. अलका सिंह, गृह वैज्ञानिक, डा. धनंजयसिंह, सस्य वैज्ञानिक, श्रीमती अमृता तिवारी, कार्यक्रम सहायक पौध संरक्षण एवं श्रीमती प्रिया चौकसे, कार्यक्रम सहायक कम्प्यूटर साइंस के द्वारा माह फरवरी 2021 में राष्ट्रीय उद्यान मेला का आयोजन केन्द्र में किया गया। जिसमें केन्द्र में जिले के विभिनन ग्रामों से प्रगतिशील कृषक महिला एवं पुरूष इस आयोजन में शामिल हुये साथ ही केन्द्र में विभिनन विषयों पर प्रशिक्षण आयोजित हुये ।

कौशल विकास प्रशिक्षण :–

केन्द्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख प्रो. एम.एस. बघेल के मार्गदर्शन में 30 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया यह प्रशिक्षण उच्च गुणवत्ता युक्त बीज उत्पादन एवं मशरूम उत्पादन विषय से संबंधित था। इस प्रशिक्षण में कुल 50

प्रतिभागियों ने भाग लिया। उच्च गुणवत्ता युक्त बीज उत्पादन प्रशिक्षण डॉ. धनंजय सिंह के द्वारा दिया गया जिसमेंकुल 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं डा. अलका सिंह के द्वारा मशरूम उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया जिसमें कुल 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संचालक विस्तार सेवायें का भ्रमण :–

दिनांक 05 मार्च 2021 को श्रीमती ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवायें का भ्रमण कार्यालय परिसर, कॉपकैफेटेरिया, कृषक भवन, पोषण वाटिका एवं न्यूट्रीस्मार्ट ग्राम तेंदुहा में हुआ। इस भ्रमण के दौरान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख प्रो. एम.एस. बघेल एवं समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस भ्रमण के दौरान संचालक विस्तार सेवायें के द्वारा आय अर्जन हेतु पपीते की खेती, कटहल की खेती एवं जैविक खेती करने के लिये अधिकारियों एवं प्रगतिशील कृषकों एवं महिलाओं को प्रेरित किया गया।

विश्व दुग्ध दिवस :–

सीधी, सिंगरौली एवं शहडोल केन्द्र के द्वारा दिनांक 01 जून 2021 को ऑनलाइन माध्यम से विश्व दुग्ध दिवस का आयोजन किया गया इस आयोजन में

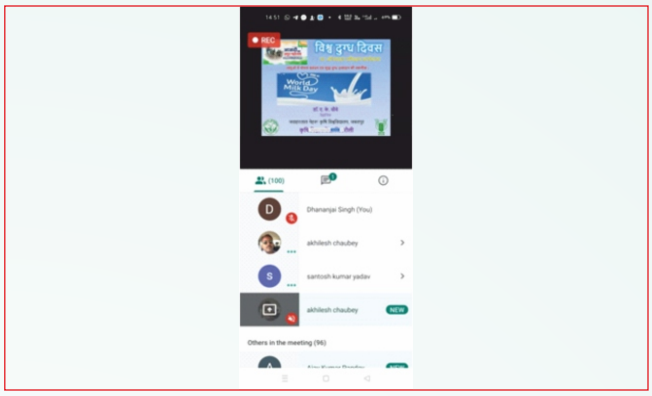

डा. एस.आर.के. सिंह, संचालक अटारी जोन–9 ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर, डा. दिनकर प्रसाद शर्मा, संचालक विस्तार सेवायें, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख प्रो. एम.एस. बघेल, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख प्रो. मृगेन्द्र सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डा. जय सिंह, केन्द्रो के विभिन्न वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम सहायक उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीधी, सिंगरौली एवं शहडोल जिले के लगभग 100 प्रगतिशील कृषक ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। इस अवसर पर नाना जी देशमुख पशु चिकित्सा महाविद्यालय के डा. अजय राय उपस्थित रहे। इस अवसर पर डा. अखिलेष कुमार चौबे एवं डा. अजय राय के द्वारा कृषको को पशु पालन, पशु रखरखाव एवं पशुओ में होने वाली विभिन्न बीमारियो के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली

मिशन अर्थ कार्यक्रम का आयोजन :–

दिनांक 3 अप्रैल, 2021 को केन्द्र में मिशन अर्थ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ

मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के उद्बोधन से हुआ। इस भाषण का सीधा प्रसारण वेबकास्ट के माध्यम से किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली ने अधिकारियों और किसानों के सम्मुख इसके सीधे प्रसारण की व्यवस्था की। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रीवा सिंह सिसोदिया, कुलसचिव, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर, श्री के.एस. नेताम, संयुक्त संचालक, रीवा और जबलपुर, डी.डी.ए. श्री आर. गणेश, बालाघाट और श्री आशीष कुमार पांडे, डी.डी.ए. सिंगरौली, विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर की बोर्ड सदस्य आशा अरूण यादव थीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जय सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. ए.के. चौबे, वैज्ञानिक, श्री सतपाल सिंह और सुश्री प्रिया चौकसे का योगदान रहा।

विश्व दुग्ध दिवस :–

दिनांक 01 जून, 2021 को विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर केन्द्र एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल के समन्वय से वर्चुअल मीडिया का प्रयोग कर कार्यशाला का आयोजन किया । कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. डी.पी. शर्मा, संचालक विस्तार सेवाऐं द्वारा किया गया । डॉ. ए.के. चौबे ने ''पशुओं में पोषण प्रबंधन और शुद्ध दूध उत्पादन तकनीक'' पर पहला व्याख्यान दिया और डा. अजय राय ने ''पशुओं में रोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. जय सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, केन्द्र द्वारा किया गया । इस अवसर पर सिंगरौली, सीधी एवं शहडोल जिले के कृषि विज्ञान केन्द्र के कुल 139 किसान एवं ज.ने.कृ.वि.वि. के प्रतिनिधि उपस्थित थे ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़

साऊथ एशिया के संचालक द्वारा मसूर प्रदर्शन का अवलोकन :–

केन्द्र द्वारा 62 एकड़ में मसूर फसल पर प्रदर्शन अन्तर्राष्ट्रीय शुष्क क्षेत्रो में कृषि अनुसंधान केन्द्र, अमलाह भोपाल के सौजन्य से कृषको के खेतो पर

क्रियान्वित प्रदर्शनों का डॉ. आशुतोष सरकार, संचालक, साऊथ एशिया ICARDA, नई दिल्ली, डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. यू.के.तिवारी, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, टीकमगढ़, डॉ. निगम नंदा स्वाई, प्रबंधक प्लेटफार्म, साऊथ एशिया, डॉ. रीना निगम, डॉ. नेहा तिवारी, ICARDA, डॉ आशीष त्रिपाठी, वैज्ञानिक को वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. बी. एस. किरार, वैज्ञानिक, डॉ. यू. एस. धाकड़, डॉ. आर. के. प्रजापति, डॉ. एस. के. खरे, डॉ. आई. डी. सिंह द्वारा विगत दिवस ग्राम हरपुरा–मडिया, दोर, बिछोडा आदि गांव का भ्रमण कराया गया । टीकमगढ़ जिले में मसूर का क्षेत्रफल एवं उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र, द्वारा आई.पी.एल.–316, आर. व्ही. एल.– 31 एवं एल–4727 तीन नई किस्मों के प्रदर्शन जिले के विभिन्न गांवो में आयोजित किये है।

अगरबत्ती, धूपबत्ती, हवन सामग्री एवं परफ्यूम पर चार दिवसीय प्रशिक्षण प्रारम्भ :–

केन्द्र में 30 ग्रामीण महिला, युवा बेरोजगार के लिये अगरबत्ती, धूपबत्ती, हवन सामग्री एवं परफ्यूम पर 24 मार्च से 27 मार्च 2021 तक चार दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण सुगन्ध एवं सुरस विकास केन्द्र भारत सरकार

की सोसायटी सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय औधौगिक संस्थान, कन्नौज उत्तरप्रदेश द्वारा केन्द्र के सभागार में आयोजन किया गया । प्रशिक्षण के उदघाटन में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय जिला पंचायत श्री पर्वतलाल अहिरवार जी द्वारा सभी प्रशिक्षार्थीयों को स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहन दिया और भविष्य में जिले में लघु रोजगार के विकास के लिये सम्भावना व्यक्त की चार दिवसीय प्रशिक्षण में कन्नौज संस्थान से श्री कमलेश कुमार द्वारा प्रयोगात्मक रूप से अगरबत्ती, धूपबत्ती, हवन सामग्री एवं परफ्यूम बनाना सिखाया गया । केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बी. एस. किरार के निर्देशन में डॉ. आर. के. प्रजापति, नोडल अधिकारी एवं वैज्ञानिक द्वारा प्रशिक्षण सम्पन्न कराया गया ।

नीबू और गुलाब घास के तेल से चमकेगी किसानो की किस्मत :–

केन्द्र द्वारा भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू के सहयोग से जिले में नीबू और गुलाब घास की खेती के लिये कार्यक्रम चलाया जा रहा है । नबम्बर 2020 में कांटी ग्राम में 24 किसानो के यहां एक–एक एकड़ के खेत पर नीबू और गुलाब घास लगवाया गया था। इन घासों को प्रथम कटाई करके गांव में लगाये गये तेल निकालने वाले संयंत्र से तेल निकाला गया । जिसका बाजार मूल्य 1000 से 1500 रूपये प्रति लीटर है । एक एकड़ मे लगभग 10–15 लीटर तेल प्राप्त होता है । इस कार्यक्रम में डॉ. आर. के. प्रजापति, वैज्ञानिक, डॉ. बी. एस किरार, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख श्री रमाकान्त यादव, श्री रावेन्द्र आई.आई.आई.एम. जम्मू उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया

कुलसचिव, ज.ने.कृ.वि.वि. द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र का निरीक्षण :–

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलसचिव माननीय श्री आर.एस. सिसोदिया द्वारा का निरीक्षण दिनांक 01 फरवरी 2021 को किया गया, कुल सचिव महोदय के द्वारा केन्द्र के प्रक्षेत्र पर संचालित समस्त प्रदर्शन इकाईयों का निरीक्षण कर भविष्य में जिले के कृषकों के लिऐ अच्छे कार्य करने के लिए समस्त स्टाफ को दिशा–निर्देष दिये गये।

अखिल भारतीय समन्वित औशधीय, सुगन्धित एवं पान परियोजना के अन्तर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन :–

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के पादप कार्यिकी विभाग, कृषि महाविद्यालय जबलपुर के द्वारा केन्द्र में दिनांक 19 मार्च 2021 को एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन औशधीय एवं सुगन्धित फसलों पर जिले के कृषकों के लिए रखा गया। कार्यक्रम में कृषकों को पादप कार्यिकी विभाग के प्राध्यापक डॉ.

ज्ञानेन्द्र. तिवारी, डॉ विभा पान्डेय एवं डॉ. सी. एस. पान्डेय ने प्रशिक्षण दिया। केन्द्र के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. के. पी. तिवारी ने कृषकों को औशधीय एवं सुगन्धित फसलों को उगाकर अधिक लाभ कमाने के लिए कृषकों का कहा। इस अवसर पर केन्द्र के अन्य वैज्ञानिको के साथ 70 कृषकों ने भाग लिया।

कलेक्टर महोदय की अध्यक्षता में कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की खरीफ पूर्व समीक्षा बैठक :–

केन्द्र में कलेक्टर महोदय माननीय संजीव श्रीवास्तव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी माननीय श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की खरीफ पूर्व समीक्षा बैठक का आयोजन एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिनांक 05 जून 2021 को किया गया। समीक्षा बैठक में कलेक्टर महोदय के द्वारा समस्त कृषि एवं एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को खरीफ की तैयारी एवं विभागीय योंजनाओं के प्रचार–प्रसार एवं लक्ष्य पूर्ति पर दिशा निर्देष दिये गये। इस अवसर पर केन्द्र के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. के. पी. तिवारी ने केन्द्र पर कृषकों के लिए संचालित समस्त गतिविधियों को प्रेजेन्टेशन के माध्यम से बताया। समीक्षा बैठक में कृषि एवं संबंधित विभागों के 120 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। समीक्षा बैठक के अन्त में कलेक्टर महोदय के द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र का निरीक्षण कर प्रक्षेत्र में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौध रोपण किया।

प्रेषक :

संचालनालय विस्तार सेवायें

ज.ने. कृषि वि.वि., जबलपुर

Website: www.jnkvv.org
E-mail: des@jnkvv.org
Phone: 0761-2681710

बुक–पोस्ट
मुद्रित सामग्री

प्रति, _____

_____

_____

मुद्रक : संचार केन्द्र, ज.ने.कृषि वि.वि., जबलपुर
फोन : 0761-4045384, ई-मेल : sanchar.jnkvv@gmail.com